नई दिल्ली

भारतीय जन संचार संस्थान
Indian Institute of Mass Communication

स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम

विवरणिका 2020-21

- *अंग्रेजी पत्रकारिता*
- *हिन्दी पत्रकारिता*
- *रेडियो एवं टीवी पत्रकारिता*
- *विज्ञापन एवं जन सम्पर्क*
- *पत्रकारिता (मलयालम)*
- *पत्रकारिता (मराठी)*
- *पत्रकारिता (उड़िया)*
- *पत्रकारिता (उर्दू)*

भारतीय जन संचार संस्थान
Indian Institute of Mass Communication
नई दिल्ली

15 **सितम्बर**, 2020

स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रमों के लिए प्रवेश

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन 17 अगस्त 1965 को स्थापित भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी), वर्तमान में देश में अपनी तरह के उत्कृष्ट संस्थानों में से एक है, जो पत्रकारिता के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है तथा मीडिया और जन संचार क्षेत्र में सार्थक अनुसंधान कर रहा है।

आईआईएमसी एशिया का पहला ऐसा संस्थान है, जिसके पास विभिन्न मंत्रालयों और सरकारी विभागों के लिए शोध, विश्लेषण और प्रभाव आकलन अध्ययनों को संचालित करने के लिए समर्पित संचार अनुसंधान विभाग मौजूद है। अनुसंधान कार्य मुख्य रूप से सरकारी अभियानों और संचार कार्यक्रमों की प्रभावी और जनता तक अधिकाधिक पहुंच के लिए कार्य नीतियां तैयार करने हेतु उपयोगी जानकारी प्रदान करते हुए सरकारी अभियानों, प्रभाव विश्लेषणों, फीडबैक आदि पर केन्द्रित होते हैं।

आईआईएमसी भारतीय सूचना सेवा की प्रशिक्षण अकादमी है। इसके अलावा, संस्थान वर्तमान में अंग्रेजी पत्रकारिता, हिन्दी पत्रकारिता एवं भाषायी पत्रकारिता, रेडियो एवं टीवी पत्रकारिता तथा विज्ञापन एवं जन सम्पर्क में अनेक स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित करता है, जिन्हें उद्योग जगत में व्यापक स्वीकृति प्राप्त है। आईआईएमसी भारत सरकार के विविध विभागों, राज्य सरकारों,सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सशस्त्र बलों के लिए मीडिया संबंध एवं सम्पर्क के विषय पर अनेक अल्पकालीन पाठ्यक्रमों का भी संचालन करता है। यह समस्त विकासशील देशों के मिड करियर पत्रकारों और मीडिया कर्मियों के लिए विकास पत्रकारिता में वर्ष में दो बार डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी संचालित करता है। कुल मिलाकर, पिछले अनेक वर्षों से देश में प्रशिक्षित संचार व्यवसायियों को तैयार करने में आईआईएमसी सबसे अग्रणी रहा है।

जन संचार में उद्योग के परिप्रेक्ष्य वाले पाठ्यक्रमों को संचालित करते हुए, आईआईएमसी का अपने विद्यार्थियों के लिए बेहतरीन प्लेसमेंट रिकॉर्ड रहा है। शैक्षणिक संस्थाओं की वार्षिक रैंकिंग में वर्ष 2018, 2019 और 2020 में इसे *इंडिया टुडे* और *द वीक-हंस*, दोनों के द्वारा देश के पहले मीडिया संस्थान के रूप में रैंकिंग प्राप्त हुई है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की सिफारिश पर मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने डी नोवो श्रेणी के अंतर्गत आगामी तीन वर्षों के दौरान आईआईएमसी को डीम्ड यूनिवर्सिटी बनाने के लिए आशय पत्र प्रदान किया है। इसको डीम्ड-टू-बी यूनिवर्सिटी बनाने का लक्ष्य हासिल करने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं।

इसका मुख्यालय नई दिल्ली में एक पूर्णतया विकसित परिसर में स्थित है। आईआईएमसी के ढेंकनाल, ओडिशा (1993 में स्थापित), आईजोल, मिजोरम (2011 में स्थापित), अमरावती, महाराष्ट्र (2011 में स्थापित), जम्मू, जम्मू और कश्मीर (2012 में स्थापित), कोट्टयम, केरल (1995 में स्थापित) में क्षेत्रीय परिसर मौजूद हैं, ताकि संबंधित क्षेत्रीय भाषाओं में राष्ट्रीय स्तर पर संचालित किए जाने वाले विविध पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त मीडिया में उत्कृष्ट शिक्षा उपलब्ध करायी जा सके।

स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम 2020-21

आईआईएमसी, नई दिल्ली और उसके क्षेत्रीय केंद्रों में निम्नलिखित एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं :

क्र .सं .	पाठ्यक्रम का नाम	सीटों की संख्या	परिसर
1	अंग्रेजी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	68 68 17 17 17 17	आईआईएमसी नई दिल्ली आईआईएमसी ढेंकनाल आईआईएमसी कोट्टयम आईआईएमसी आईजोल आईआईएमसी अमरावती आईआईएमसी जम्मू
2	हिन्दी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	68	आईआईएमसी नई दिल्ली
3	रेडियो और टीवी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (द्विभाषी- अंग्रेजी और हिंदी)	51	आईआईएमसी नई दिल्ली
4	विज्ञापन एवं जनसम्पर्क पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (द्विभाषी- अंग्रेजी और हिंदी)	77	आईआईएमसी नई दिल्ली
5	मलयालम पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	17	आईआईएमसी कोट्टयम
6	मराठी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	17	आईआईएमसी अमरावती
7	उड़िया पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	25	आईआईएमसी ढेंकनाल
8	उर्दू पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	17	आईआईएमसी नई दिल्ली

1. अंग्रेजी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :दो सेमिस्टर की अवधि के दौरान छात्रों को संचार क्षेत्र के व्यापक परिदृश्य की जानकारी प्रदान की जाएगी। स्वतंत्र, ईमानदार और निष्पक्ष मीडिया को बढ़ावा देने के लिए अपेक्षित नैतिकता और मूल्यों पर बल दिया जाएगा। विद्यार्थियों को सिद्धांत और व्यावहारिक सत्रों के मिश्रण के जरिए रिपोर्टिंग, संपादन, निर्माण और वितरण की नवीन और उभरती तकनीकों से अवगत कराया जाएगा। अपने पाठ्यक्रम की अवधि के दौरान छात्रों द्वारा अपनी संबंधित भाषाओं में रिपोर्ट, संपादन के साथसाथ लैब जर्नल्स और अन्य - प्रकाशन निकाले जाएंगे।

पाठ्यचर्या: संचार: अवधारणा , प्रक्रिया और सिद्धांत, पत्रकारिता का इतिहास और प्रेस की भूमिका, मीडिया संबंधी कानून और आचार संहिता, संपादन और रिपोर्टिंग, न्यू मीडिया और वेब पत्रकारिता, रेडियो एवं टीवी पत्रकारिता, विकास पत्रकारिता, मीडिया प्रबंधन, विज्ञापन और जनसम्पर्क

2. हिन्दी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पाठ्यक्रम के उद्देश्य अंग्रेजी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के लिए समान हैं)

पाठ्यचर्या: संचार : अवधारणा, प्रक्रिया और सिद्धांत,पत्रकारिता का इतिहास और प्रेस की भूमिका,मीडिया संबंधी कानून और आचार संहिता,संपादन और रिपोर्टिंग,न्यू मीडिया और डिजिटल पत्रकारिता, रेडियो एवं टीवी पत्रकारिता,विकास पत्रकारिता,मीडिया उद्योग एवं उसकी प्रबंधन संरचना, विज्ञापन और जन सम्पर्क आदि।

3. रेडियो और टीवी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

पाठ्यक्रम का उद्देश्य : इस पाठ्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य मौखिक शब्दों एवं दृश्यों के माध्यम से सृजनात्मक संचार में उच्च स्तरीय दक्षता विकसित करना है। छात्रों को रेडियो और टेलीविजन हेतु रिपोर्टिंग, कैमरा के रखरखाव,वीडियो संपादन, साउंड रिकॉर्डिंग और समकालीन एवी सॉफ्टवेयर के उपयोग की जानकारी दी जाएगी।

पाठ्यचर्या: संचार : अवधारणा, प्रक्रिया और सिद्धांत, रेडियो एवं टीवी पत्रकारिता पर विशेष बल देते हुए पत्रकारिता का इतिहास, रेडियो और टीवी पत्रकारिता अवधारणा एवं प्रक्रिया :, रेडियो समाचार- रिपोर्टिंग , संपादन और बुलेटिन प्रस्तुतिकरण तथा निर्माण,टीवी समाचार रिपोर्टिंग :, संपादन और बुलेटिन प्रस्तुतिकरण तथा निर्माण,प्रसारण मीडिया प्रबंधन,न्यू मीडिया और वेब पत्रकारिता,मीडिया प्रबंधन, प्रिंट पत्रकारिता और विकास संचार, विज्ञापन और जन सम्पर्क ।

4. विज्ञापन एवं जन सम्पर्क में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :इस पाठ्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य संचार, विपणन, विज्ञापन, जन सम्पर्क और कॉरपोरेट संचार के सिद्धांतों और अवधारणाओं की गहरी समझ प्रदान करना है। छात्रों को संचार के नए माध्यमों से अवगत कराने पर बल दिया जाएगा ताकि उन्हें प्रौद्योगिकी और सृजनशीलता के बीच सामंजस्य कायम करने में सहायता प्राप्त हो सके। छात्रों को समकालीन विषयों पर समग्र अभियान तैयार और प्रस्तुत करने के लिए समूहों में कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया जाएगा।

पाठ्यचर्या: संचार : अवधारणा, प्रक्रिया और सिद्धांत, विपणन संचार,विज्ञापन सिद्धांत :, अवधारणाएं एवं प्रबंधन,अभियान योजना और प्रबंधन,मीडिया योजना,सरकार एवं लोक सेवा संचार ,जन सम्पर्क और कॉरपोरेट संचार,न्यू मीडिया :अवधारणाएं एवं अनुप्रयोग,संचार और विपणन शोध।

5. क्षेत्रीय भाषाओं में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :जन संचार के क्षेत्रीय भाषा, संस्कृति और पद्धतियों जैसे क्षेत्रीय पहलुओं पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करते हुए पत्रकारिता के क्षेत्र के बारे में क्षेत्रीय भाषा माध्यम में गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करना। इसका उद्देश्य ऐसे व्यवसायिक योग्यता प्राप्त और प्रशिक्षित पत्रकार तैयार करना है, जो क्षेत्रीय भाषा के मीडिया की बारीकियों से अच्छी तरह वाकिफ हों और सशक्त राष्ट्रीय दृष्टिकोण रखते हों।

दो सेमिस्टर की अवधि के दौरान छात्रों को संचार क्षेत्र के बारे में सामान्य एवं विशेषकर संबंधित राज्य/भाषा की दृष्टि से व्यापक परिदृश्य की जानकारी प्रदान की जाएगी ।स्वतंत्र, ईमानदारऔर निष्पक्ष मीडिया को बढ़ावा देने के लिए अपेक्षित नैतिकता और मूल्यों पर बल दिया जाएगा। विद्यार्थियों को सिद्धांत और व्यावहारिक सत्रों के मिश्रण के जरिए रिपोर्टिंग, संपादन, निर्माण और वितरण की नवीन और उभरती तकनीकों से अवगत कराया जाएगा। अपने पाठ्यक्रम की अवधि के दौरान छात्रों द्वारा अपनी संबंधित भाषाओं में रिपोर्ट, संपादन के साथ-

साथ लैब जर्नल्स और अपनी-अपनी भाषाओं में अन्यप्रकाशन निकाले जाएंगे। उन्हें टीवी, रेडियो और डिजिटल मीडिया में भी प्रशिक्षित किया जाएगा।

5.1 मलयालम पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

पाठ्यचर्या:

संचार :अवधारणा, प्रक्रिया और सिद्धांत,

मलयालम पत्रकारिता का इतिहास,

मीडिया संबंधी कानून और आचार संहिता,

संपादन और रिपोर्टिंग,

न्यू मीडिया और वेब पत्रकारिता,

डेटा पत्रकारिता एवं मोबाइल पत्रकारिता

रेडियो एवं टीवी पत्रकारिता,

वीडियो सम्पादन, वीडियोग्राफी और रेडियो निर्माण

केरल से संबंधित सामाजिक-आर्थिक एवं सांस्कृतिक मामलों पर बल देने सहित विकास पत्रकारिता ,

मीडिया प्रबंधन, विज्ञापन और जन सम्पर्क

5.2 मराठी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

पाठ्यचर्या:

संचार :अवधारणा, प्रक्रिया और सिद्धांत,

मराठी पत्रकारिता का इतिहास,

मीडिया संबंधी कानून और आचार संहिता,

संपादन और रिपोर्टिंग,

न्यू मीडिया और वेब पत्रकारिता,

रेडियो एवं टीवी पत्रकारिता,

महाराष्ट्र से संबंधित सामाजिक-आर्थिक एवं सांस्कृतिक मामलों पर बल देने सहित विकास पत्रकारिता ,

मीडिया प्रबंधन, विज्ञापन और जन सम्पर्क

5.3 उड़िया पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

पाठ्यचर्या:

संचार :अवधारणा, प्रक्रिया और सिद्धांत,

उड़िया पत्रकारिता का इतिहास,

मीडिया संबंधी कानून और आचार संहिता,

संपादन और रिपोर्टिंग,

न्यू मीडिया और वेब पत्रकारिता,

रेडियो एवं टीवी पत्रकारिता,

ओडिशा और पूर्वी भारत से संबंधित सामाजिक-आर्थिक एवं सांस्कृतिक मामलों पर बल देने सहित विकास पत्रकारिता ,

मीडिया प्रबंधन, विज्ञापन और जन सम्पर्क

5.4 उर्दू पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

पाठ्यचर्या:

संचार :अवधारणा, प्रक्रिया और सिद्धांत,

उर्दू पत्रकारिता का इतिहास,

मीडिया संबंधी कानून और आचार संहिता,

संपादन और रिपोर्टिंग,

न्यू मीडिया और डिजिटल पत्रकारिता,

रेडियो एवं टीवी पत्रकारिता,

विकास पत्रकारिता ,

विज्ञापन और जन सम्पर्क, समाचार प्रबंधन एवं उद्यमिता पत्रकारिता

(आईआईएमसी में सभी पाठ्यक्रम संस्थान के संस्थानिक संकाय द्वारा पढ़ाए जाएंगे, उद्योग जगत से संबंधित क्षेत्रों में विशेषज्ञता वाले विशेषज्ञों द्वारा अतिथि व्याख्यान के माध्यम से ज्ञानवर्धन किया जाएगा।)

6.स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम में प्रवेश कैसे लें?

आईआईएमसी ने पहले अगस्त 2020 में अपने स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश की घोषणा की थी, जिनमें अभ्यर्थियों द्वारा स्नातक, माध्यमिक और हाई स्कूल में प्राप्त किए गए अंकों के आधार पर चयन की बात कही गई थी। हालांकि अनेक क्षेत्रों में कोविड-19 के बिगड़ते हालात के मद्देनजर और अंतिम सेमेस्टर/वर्ष डिग्री परीक्षा को उच्चतर कक्षाओं में प्रवेश के लिए अनिवार्य बनाने संबंधी माननीय उच्चतम न्यायालय के हाल के निर्णय के कारण संस्थान ने अब इस साल विशेष मामले के तौर पर नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा संचालित की जाने वाली प्रवेश परीक्षा कराने का निर्णय लिया है।

प्रवेश परीक्षा देने के लिए परीक्षा केंद्रों तक जाने के बारे में संबंधित अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों की ओर से पूछे जाने रहे प्रश्नों पर विचार करते हुए यह प्रवेश परीक्षा रिमोट प्रॉक्टर्ड ऑनलाइन मोड में कराने

का निर्णय लिया गया है, जिसमें अभ्यर्थियों को पुख्ता इंटरनेट कनेक्शन सहित अच्छी गुणवत्ता वाले लैपटॉप या कंप्यूटर की उपलब्धता के साथ अपने घर या अपनी पसंद की जगह से परीक्षा देने की अनुमति होगी।

सभी परीक्षार्थियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे उचित और आत्म-अनुशासित तरीके से परीक्षा में भाग लेंगे और उन्हें किसी भी प्रकार के अनुचित तरीकों का उपयोग नहीं करने की सलाह दी जाती है। यदि कोई भी अभ्यर्थी किसी भी प्रकार के अनुचित तरीके का इस्तेमाल करता पाया गया अथवा उसने किसी प्रकार का संदिग्ध व्यवहार प्रदर्शित किया, तो उसे परीक्षा से बहिष्कृत कर दिया जाएगा। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए)द्वारा प्रवेश परीक्षा से संबंधित विवरण और निर्देशों से उचित समय पर अवगत कराया जाएगा। अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे पूरी प्रक्रिया को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित किए जाने वाले वेबिनार और मॉक टेस्ट में उचित रूप से भाग लेने के माध्यम से समझें।
जो आवेदक अगस्त में आईआईएमसी द्वारा घोषित 2020प्रवेश नोटिस के जवाब में पहले ही आवेदन कर चुके हैं, उन्हें दोबारा आवेदन करने की कोई आवश्यकता नहीं है, हालांकि यदि प्रवेश परीक्षा के संचालन के संबंध में एनटीए की ओर से किसी भी तरह के निर्देश जारी किए जाते हैं, तो उन्हें उन नए निर्देशों का पालन करना पड़ सकता है। इसीतरह, जो आवेदक प्रवेश परीक्षा आधारित प्रवेश प्रक्रिया से हटना चाहते हैं, वे अपने यूआरएन (यूनीक रजिस्ट्रेशन नम्बर) और भुगतान के विवरण का हवाला देते हुए 18 सितम्बर, 2020 को या उससे पहले इस ईमेल आईडी : academiciimc1965@gmail.comपर ईमेल भेज सकते हैं। आवेदक ने पहले जिस आवेदन शुल्क का भुगतान किया है, वह प्रॉसेसिंग चार्ज की राशि काटकर अनुरोध की तिथि से अगले दो सप्ताहोंके भीतर उसे लौटा दिया जाएगा। इसके अलावा, आवेदकों को अन्य पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन बरकरार रखते हुए किसी एक पाठ्यक्रम से हटने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

6.1. पात्रता :वे भारतीय नागरिक जिनके पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त स्नातक डिग्री (बैचलर डिग्री) है,आवेदन के लिए पात्र हैं। वे छात्र जो स्नातक डिग्री की अंतिम सेमेस्टर परीक्षा में शामिल हुए हैं/शामिल हो रहे हैं,वे भी आवेदन करने के लिए पात्र हैं। यदि उनका चयन हो जाता है,तो उनका प्रवेश उनके कॉलेज/विश्वविद्यालय से कम से कम अस्थायी अंक तालिका/प्रमाणपत्र की मौलिक प्रति 15 दिसम्बर, 2020 तक प्रस्तुत करने पर निर्भर होगा (वास्तविक मामलों में कारणों का पता लगाने के बाद इस अवधि को बढ़ाया जा सकता है)। पाठ्यक्रम पूरा होने पर केवल आईआईएमसी के कार्यालय में सत्यापन के लिए मूल डिग्री प्रमाणपत्र दिखाने पर ही डिप्लोमा प्रदान किया जाएगा।

6.1.1. जन्मतिथि : सामान्य श्रेणी के अभ्यर्थी की जन्मतिथि 01.08.1995 या उसके बाद (1अगस्त,2020 तक अधिकतम आयु 25 वर्ष होनी) की होनी चाहिए। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए जन्मतिथि1.8.1990 या उसके बाद (1 अगस्त,2020 तक अधिकतम आयु 30 वर्ष होनी) की होनी चाहिए। अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए जन्मतिथि 1.8.1992 या उसके बाद (1 अगस्त,2020 तक अधिकतम आयु 28 वर्ष होनी)की होनी चाहिए।

6.2.एनआरआई : एनआरआई/एनआरआई प्रायोजित अभ्यर्थियों के लिए प्रत्येक पाठ्यक्रम में पांच अतिरिक्त सीट उपलब्ध हैं। एनआरआई कोटा वाले अभ्यर्थियों के लिए पात्रता मानदंड और आयु सीमा वही है, जो ऊपर दी गई है। तथापि, एनआरआई/एनआरआई प्रायोजित कोटा के अंतर्गत आवेदक 50 अमेरिकी डॉलर का प्रवेश शुल्क जमा कराने के माध्यम से प्रत्यक्ष रूप से ऑनलाइन साक्षात्कार दे सकते हैं। एनआरआई कोटा के लिए शुल्क कॉलम 9.1 में निर्दिष्ट है और उसका भुगतान एकमुश्त करना होगा।

6.3. चयन प्रक्रिया : गैर-एनआरआई कोटा वाले अभ्यर्थियों का चयन प्रवेश परीक्षा में उनके प्रदर्शन पर आधारित होगा। सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख एजेंसी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा रिमोट प्रॉक्टर्ड ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा 18 अक्टूबर, 2020 (रविवार) को आयोजित की जाएगी। ऑनलाइन परीक्षा में 50 एमसीक्यू होंगे, जिनमें से प्रत्येक प्रश्न दो अंक (अधिकतम 100 अंक) का होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए ऑनलाइन परीक्षा की अवधि 90 मिनट होगी। आईआईएमसी और एनटीए उचित समय पर परीक्षा की

विस्तृत सारणि या शैड्यूल जारी करेंगे। प्रवेश प्रक्रिया में विलम्ब के कारण इस वर्ष प्रवेश के लिए किसी तरह का साक्षात्कार और समूह चर्चा नहीं होगी। अंतिम श्रेणी-वार और पाठ्यक्रम-वार रैंक सूची और प्रवेश का निर्णय 100 अंकों में से अभ्यर्थी को प्राप्त हुए कुल अंकों के आधार पर होगा। यदि दो या अधिक अभ्यर्थियों को समान अंक प्राप्त होंगे, तो अधिक आयु वाले अभ्यर्थी को रैंक सूची में प्राथमिकता दी जाएगी।

6.4. प्रवेश परीक्षा की सारणी या शैड्यूल

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	तिथि एवं समय 18 अक्टूबर, 2020 (रविवार)
1.	क. पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (हिंदी) ख. पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (अंग्रेजी)	प्रात:10.00 बजे – 11.30 बजे
2.	रेडियो और टेलीविजन पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	दोपहर 12.15 बजे– 1.45 बजे
3.	विज्ञापन एवं जनसम्पर्क में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	अपराह्न 2.30 बजे – 4.00 बजे
4.	क. पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (उर्दू) ख. पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (उड़िया) ग. पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (मराठी) घ. पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (मलयालम)	सायं 5.00 बजे – 6.30 बजे

6.5 ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा के लिए सामान्य विषय

ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा 100 अंकों की होगी। एमसीक्यू के अंतर्गत मोटे तौर पर निम्नलिखित प्रसंग/विषय कवर किए जाएंगे :

- सामाजिक-राजनीतिक-आर्थिक क्षेत्र की मौजूदा प्रवृत्तियों की समझ सहित सामान्य जागरूकता
- भारत का सामाजिक-राजनीतिक-सांस्कृतिक इतिहास, कानूनी और संवैधानिक प्रावधान, नागरिक अधिकार,
- भारत के विकासात्मक मुद्दे - अर्थव्यवस्था, अवसंरचना, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी आदि।
- अंतर्राष्ट्रीय घटनाएं और भारत पर उनका प्रभाव
- भारत में मीडिया के परिदृश्य के बारे में जागरूकता
- रीज़निंग, एप्टीट्यूड और मेंटल मेक अप
- भाषा और अभिव्यक्ति कौशल
- साहित्य, सिनेमा और सांस्कृतिक परिदृश्य
- विश्लेषणात्मक और बोध संबंधी कौशल
- नैतिकता एवं मूल्य
- सामाजिक चेतना
- कल्पना शक्ति से समस्या का समाधान करने की क्षमताएं
- रचनात्मकता, ब्रांड के बारे में सजगता तथा उसे याद रखना (विज्ञापन एवं जनसम्पर्क के लिए)

7. प्रवेश के लिए कैसे आवेदन करें?

अभ्यर्थियों को www.iimc.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन फार्म भरकर और साइट पर दिए गए भुगतान लिंक के जरिए प्रवेश परीक्षा शुल्क का भुगतान करते हुए पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा।यदि कोई अभ्यर्थी एकाधिक पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन करना चाहता है, तो वह अपने सभी विकल्पों को इंगित करते हुए एक ही आवेदन पत्र भरेगा/भरेगी, लेकिन उसे आवेदन शुल्क का अलग से भुगतान करना होगा । कोई भी आवेदक अधिकतम चार पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन कर सकता है (क्षेत्रीय भाषायी पत्रकारिता के पाठ्यक्रमों (उड़िया या

मराठी या उर्दू या मलयालम) में से किसी एक के लिए), किसी एक भाषायी पत्रकारिता पाठ्यक्रम (हिंदी या अंग्रेजी), रेडियो एवं टीवी पत्रकारिता और विज्ञापन एवं जनसम्पर्क पाठ्यक्रमों दोनों में से कोई एक अथवा दोनों] । कृपया इस संबंध में अलग से दिए गए निर्देशों को देखिए।

अभ्यर्थियों को अपने आवेदन पत्र भरने और प्रस्तुत करने से पहले आवेदन पत्र में दिए गए सभी निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ने की सलाह दी जाती है। आवेदनपत्र जमा कराने की अंतिम तिथि 23 सितम्बर, 2020 है।जिन अभ्यर्थियों के आवेदन सफलतापूर्वक भरे गए हैं, उन्हें एक यूनीक रजिस्ट्रेशन नंबर (यूआरएन)प्राप्त होगा, जिसका हवाला भविष्य में प्रवेश संबंधी सभी मामलों में दिया जा सकता है।

7.1. आवेदन शुल्क :सामान्य श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए प्रत्येक पाठ्यक्रम हेतु आवेदन शुल्क **1,000** रुपए है और अन्य पिछड़ा वर्ग/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ दिव्यांग/ईडब्ल्यूएस श्रेणी के लिए **750** रुपए है। आवेदन किए गए पाठ्यक्रमों की संख्या के आधार पर अभ्यर्थी को पेमेंट गेटवे के माध्यम से आवेदन शुल्क की आनुपातिक राशि का भुगतान करना होगा।

8. प्रवेश प्रक्रिया

प्रत्येक पाठ्यक्रम और प्रत्येक केन्द्र में अस्थायी रूप से प्रवेश प्राप्त अभ्यर्थियों की सूची श्रेणी-वार योग्यता-क्रम सूची के आधार पर तैयार की जाएगी, जो 25 अक्टूबर, 2020 तक आईआईएमसी की वेबसाइट www.iimc.gov.in पर उपलब्ध करायी जाएगी।

केन्द्र का आवंटन (अंग्रेजी पत्रकारिता के लिए लागू) योग्यता-सह-वरीयता के आधार पर किया जाएगा। अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे सभी केन्द्रों (आईआईएमसी क्षेत्रीय परिसरों) को अपनी वरीयता के क्रम में दर्ज करें। किसी अभ्यर्थी द्वारा केन्द्र के विकल्प को नहीं भरने की स्थिति में, आईआईएमसी द्वारा वर्णानुक्रम रोस्टर के आधार पर अभ्यर्थी को केन्द्र का आवंटन किया जाएगा।

सफल अभ्यर्थियों को आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित शुल्क ऑनलाइन जमा कराते हुए अपना प्रवेश सुरक्षित रखने के लिए अधिकतम सात दिनों का समय दिया जाता है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग योजना के अंतर्गत आरक्षण का दावा करने वाले अभ्यर्थियों को राजस्व अधिकारी द्वारा निर्धारित प्रपत्र में जारी किया गया आय एवं परिसंपत्ति प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा।

अभ्यर्थियों द्वारा लिए गए प्रवेश की संख्या के आधार पर, आगामी परीक्षाफल चक्रों की घोषणा की जाएगी। यदि किसी भी केन्द्र पर कोई सीट रिक्त रहती है, तो इसे श्रेणी-वार योग्यता क्रम सूची के अनुसार किसी इच्छुक अभ्यर्थी को प्रदान किया जाएगा । सीटों का आरक्षण भारत सरकार के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांगों और ईडब्ल्यू एस के लिए आदेशों/नियमों के अनुसार होगा।

9. पाठ्यक्रम शुल्क और भुगतान अनुसूची

पाठ्यक्रम का नाम	**समेस्टर-1 नवम्बर, 2020 में देय (रुपए में)**	**समेस्टर-II मार्च, 2021 में देय रुपए) (में**
अंग्रेजी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	52,000	43,500

हिंदी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	52,000	43,500
रेडियो एवं टीवी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	88,500	80,000
विज्ञापन एवं जन सम्पर्क में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	70,000	61,500
मलयालम पत्रकारितामें स्नातकोत्तर डिप्लोमा	32,000	23,500
मराठी पत्रकारितामें स्नातकोत्तर डिप्लोमा	32,000	23,500
उड़िया पत्रकारितामें स्नातकोत्तर डिप्लोमा	32,000	23,500
उर्दू पत्रकारितामें स्नातकोत्तर डिप्लोमा	32,000	23,500

समेस्टर 1 शुल्क में शामिल है i) पाठ्यक्रम शुल्क ii) छात्र कल्याण निधि में अंशदान (3,500 रुपए) और iii) 5000 रुपए की प्रतिदेय पुस्तकालय जमा राशि। छात्र कल्याण निधि का उपयोग विविध व्यय, छात्र कल्याण कार्यकलापों, स्वास्थ्य केन्द्र की सेवाओं आदि को पूरा करने के लिए किया जाता है।

पाठ्यक्रम शुल्क की प्रथम किस्त आवश्यक तौर पर निर्धारित समय अवधि में जमा कराई जानी चाहिए। शिक्षा शुल्क की दूसरी किस्त का भुगतान 25 मार्च, 2021 तक किया जाना है। 5 अप्रैल, 2021के पश्चात प्रति दिन 20 रुपए की दर से जुर्माने के साथ विलम्ब शुल्क लिया जाएगा। विलम्ब शुल्क के साथ शुल्क जमा कराने में विफल रहने पर चूककर्ताओं का नाम 30 अप्रैल, 2021 को सूची से काट दिया जाएगा। 15 मई, 2021 से पहले पुनः प्रवेश लेने के लिए 500 रुपए का पुनः प्रवेश शुल्क वसूल किया जाएगा। पुनः प्रवेश का अधिकार संस्थान के पास सुरक्षित है। यदि कोई छात्र अध्ययन छोड़ देता है, तो शुल्क की भुगतान की गई किस्तें वापस नहीं की जाएंगी।

9.1. एनआरआई/एनआरआई प्रायोजित कोटा के अंतर्गत छात्रों के लिए निर्धारित शुल्क इस प्रकार है :

पाठ्यक्रम का नाम	शुल्क
अंग्रेजी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	$ 8,000
हिंदी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	$ 8,000

रेडियो एवं टीवी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	$ 12,000
विज्ञापन एवं जन सम्पर्क में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	$ 12,000
क्षेत्रीय भाषायी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (मलयालम, मराठी, उड़िया, उर्दू)	$ 4600

9.2. शुल्क जमा कराने के लिए बैंक विवरण:

खाताधारक का नाम	भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली
बैंक का नाम	सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया
शाखा	आईआईएमसी, नई दिल्ली-110067
खाता संख्या	3586258939
आईएफएससी कोड	CBIN0283535

शुल्क जमा कराने के पश्चात अभ्यर्थी ट्रैन्ज़ैक्शन नम्बर और अन्य विवरण academiciimc1965@gmail.com पर अकादमिक अनुभाग को ईमेल भेजकर संस्थान को इसकी सूचना दें।

9.3. धनराशि की वापसी : पाठ्यक्रम शुरू होने से पूर्व किसी अभ्यर्थी द्वारा नाम वापस लेने की स्थिति में 1,000/- रुपए के प्रोसैसिंग शुल्क की कटौती के बाद शुल्क की वापसी की जाएगी।

10. वित्तीय सहायता

10.1. नि:शुल्कता (फ्रीशिप): आईआईएमसी की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था कार्यकारी परिषद (ईसी) द्वारा समय-समय पर लिए गए निर्णय के अनुसार जरूरतमंद छात्रों के लिए वित्तीय सहायता का प्रावधान है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी कार्यालय द्वारा उपलब्ध करायी जाएगी।

10.2. छात्रवृत्तियां : **'रति अग्रवाल छात्रवृत्ति'** प्रवेश परीक्षा में किसी छात्रा की उपलब्धि के आधार पर हिन्दी पत्रकारिता पाठ्यक्रम की मेधावी छात्रा को प्रदान की जाएगी। **'स्टार टीवी छात्रवृत्ति'** प्रवेश परीक्षा में किसी छात्र/छात्रा की उपलब्धि के आधार पर रेडियो एवं टीवी पत्रकारिता के किसी मेधावी छात्र/छात्रा को प्रदान की जाएगी। **'अचिन गांगुली छात्रवृत्ति'** प्रवेश परीक्षा में उपलब्धि और पाठ्यक्रम के पूरा होने के बाद अंतिम परिणाम के आधार विज्ञापन एवं जन सम्पर्क के दो मेधावी छात्रों को प्रदान की जाएगी। **'जसविन्दर सिंह मेमोरियल छात्रवृत्ति'** दो मेधावी छात्रों - हिन्दी पत्रकारिता और रेडियो एवं टीवी पत्रकारिता से एक-एक छात्र को उनकी उपलब्धि के आधार पर प्रदान की जाएगी।

11. शैक्षणिक कार्यक्रम

कोविड-19 के कारण उत्पन्न स्थिति तथा शैक्षणिक वातावरण सहित प्रत्येक क्षेत्र में सभा करने, एकत्र होने और लोगों की आवाजाही पर रोक तथा सामाजिक दूरी के नियमों को देखते हुए इस शैक्षणिक वर्ष में सभी स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के प्रथम सेमेस्टर केवल ऑन-लाइन मोड में संचालित किए जाएंगे। शैक्षणिक सत्र नवम्बर, 2020 के दूसरे सप्ताह में शुरु होगा। ऑनलाइन/ऑफलाइन कक्षाओं के मिश्रित पाठ्यक्रम के साथ विविध विकल्पों सहित विस्तृत अकेडमिक केलेंडर तैयार किया जा रहा है, जिसे अंतिम रूप दिए जाने के तत्काल बाद उसका विवरण घोषित/प्रकाशित किया जाएगा।

सभी संभावित विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे सभी पाठ्यक्रमों के पहले सेमेस्टर की पूरी अवधि के दौरान ऑनलाइन कक्षाओं में सक्रिय रूप से भाग लेने/शामिल होने के लिए खुद को आवश्यक उपकरणों और इंटरनेट कनेक्टिविटी से लैस करेंगे।

12. याद रखी जाने वाली महत्वपूर्ण तिथियां

संशोधित अधिसूचना जारी होने की तिथि	14 सितम्बर, 2020
आवेदन जमा कराने की अंतिम तिथि	23 सितम्बर, 2020, सायं 5 बजे तक
रिमोट प्रॉक्टर्ड प्रवेश परीक्षा पर वेबिनार	7 अक्टूबर, 2020 (बुधवार)
नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा मॉक टेस्ट	9 अक्टूबर, 2020 (शुक्रवार)
ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा	18 अक्टूबर, 2020 (रविवार)
परिणामों की घोषणा	25 अक्टूबर, 2020
प्रथम सेमेस्टर की कक्षाओं का आरंभ	नवम्बर, 2020 का दूसरा सप्ताह

कोविड-19 महामारी से संबंधित प्रतिबंधों के मद्देनजर, आईआईएमसी के पास मौजूदा स्थिति/ सरकार के प्रतिबंधों/ सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े सरोकारों के आधार पर चयन के माध्यम और प्रक्रिया/ ऑनलाइन परीक्षा की तिथि में संशोधन/पुनर्निर्धारण/परिवर्तन करने का अधिकार आरक्षित है। इसी तरह, कक्षाओं का प्रारंभ होना और उनका आयोजन भी समय- समय पर सरकार के नियमों/ मौजूदा परिस्थितियों पर निर्भर करेगा।

13. परिसर में सुविधाएं

पुस्तकालय : आईआईएमसी, नई दिल्ली के पास देश का विशालतम विशिष्ट जन संचार पुस्तकालय उपलब्ध है। इसमें जन संचार और संबद्ध क्षेत्रों के विभिन्न पहलुओं पर पुस्तकों और सजिल्द पत्रिकाओं के 40,000 से अधिक शीर्षकों का संग्रह उपलब्ध है। पुस्तकालय ने संचार के क्षेत्र में विभिन्न प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं की सदस्यता भी ग्रहण की है।

पुस्तकालय पूर्णत: कम्प्यूटरीकृत है तथा छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए ऑनलाइन जन सुलभ सूचीपत्र (ओपीएसी) और ऑनलाइन जर्नल्स मौजूद हैं। पुस्तकालय द्वारा छात्रों, संकाय सदस्यों और शोधार्थियों के लिए अत्याधुनिक मल्टी मीडिया, संदर्भ एवं शोध खंड भी विकसित किया गया है। पुस्तकालय सोमवार से शनिवार तक प्रात: 9.00 बजे से सायं 7.00 बजे तक खुला रहता है।

प्रत्येक छात्र को 5000 रुपए का पुस्तकालय सिक्योरिटी डिपोजिट देना होता है। प्रत्येक छात्र को एक सप्ताह के लिए कभी भी दो पुस्तकें ले जाने की अनुमति है। यदि किसी छात्र से पुस्तकालय की पुस्तक खो जाती है, तो उसे इसके स्थान पर नई पुस्तक देने होती है या इसकी कीमत का भुगतान करना होता है।

पाठ्यक्रम के अंत में छात्र द्वारा पुस्तकालय अध्यक्ष द्वारा निर्गत अदेयता प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर पुस्तकालय शुल्क की वापसी की जाएगी। पाठ्यक्रम के पूरा होने से तीन वर्ष के भीतर धन वापसी का दावा नहीं करने की स्थिति में, सिक्योरिटी डिपोजिट को जब्त कर लिया जाएगा।

प्रकाशन :आईआईएमसी दो तिमाही शोध पत्रिकाएं प्रकाशित करता है अंग्रेजी में -'**कम्यूनिकेटर**' और हिन्दी में '**संचार माध्यम**'। इन पत्रिकाओं में संचार के क्षेत्र में विभिन्न प्रगतियों पर विद्वतापूर्ण शोध पत्र एवं पुस्तक समीक्षाएं शामिल होती हैं। जन संचार जगत और शिक्षा जगत की नामचीन हस्तियां इन पत्रिकाओं के लिए योगदान देती हैं। आईआईएमसी शोध संकलनों, संपादक खंडों और सूचना पत्रों के अलावा अंग्रेजी और हिन्दी में जन संचार पर पुस्तकें भी प्रकाशित करता है।

प्रिंटिंग प्रेस : आईआईएमसी दिल्ली में क्रियाशील प्रिंटिंग प्रेस है जिसमें ऑफसेट स्क्रीन प्रिंटिंग की सुविधा उपलब्ध है।

उपकरण एवं आईटी अवसंरचना: संस्थान में संचार की विविध शाखाओं में व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए पर्याप्त सुविधाएं मौजूद हैं। इसमें सुसज्जित ध्वनि एवं टीवी स्टूडियो तथा अन्य श्रव्य-दृश्य सुविधाएं उपलब्ध हैं।

टीवी और वीडियो निर्माण संबंधी सुविधाओं में सिंक और एसएफएक्स जनरेटर्स, एडिटिंग कंसोल्स आदि के साथ कैमरा नियंत्रण इकाई सहित डिजिटल ईएनजी कैमरे, मल्टी कैमरा स्टूडियो व्यवस्था आदि शामिल है।

संस्थान में डिजिटल साउंड रिकॉर्डिंग/एडिटिंग और नॉन-लिनियर डिजिटल वीडियो एडटिंग सुविधाएं हैं। वीडियो एडिटिंग सुविधा में सर्वर आधारित नेटवर्किंग और फाइनल कट प्रो मशीनें शामिल हैं।

आईआईएमसी में छात्रों को विभिन्न फोटोग्राफिक कार्यों के प्रबंधन हेतु सक्षम बनाने के लिए दो दर्जन से अधिक डीएसएलआर कैमरों की व्यापक सुविधाएं मौजूद हैं।

सभी कक्षाएं वातानुकूलित हैं और प्रोजेक्टर तथा अन्य शिक्षण सहायक सामग्रियों से सुसज्जित हैं।

संस्थान में इलेक्ट्रॉनिक एडिटिंग और कम्प्यूटर बेस्ड ग्राफिक लेआउट डिजाइनिंग और प्रकाशन को सुलभ बनाने के लिए कम्प्यूटर लैब, मल्टी मीडिया सिस्टम्स, वीडियो एडिटिंग उपकरणों, क्लिप वीडियो कैमरे, वाइस रिकॉर्डर्स आदि की सुविधाएं उपलब्ध हैं। छात्रों को एडोब पेजमेकर, क्वार्क एक्सप्रेस, एडोब फोटोशॉप, कोरल ड्रा, मैक्रोमीडिया डायरेक्टर, कूल एडिट प्रो, न्यूजरैप, एडोब इनडिजाइन आदि जैसे सॉफ्टवेयर पैकेजिंग पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

सभागार :आईआईएमसी दिल्ली में 'महात्मा गांधी मंच' के नाम से 400 से अधिक सीटों वाला सभागार है, 100 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता वाला 'लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक मिनी ऑडिटोरियम' नामक एक लघु सभागार है और 'मेघदूत एम्फीथिएटर' नामक एक मुक्ताकाश रंगमंच है। इसमें अनेक संगोष्ठी कक्ष और सम्मेलन कक्ष हैं। इसके अलावा संस्थान में पार्क और लॉन हैं। अवकाश के दौरान अध्ययन के लिए छात्रों हेतु स्वामी विवेकानंद मेमोरियल रॉक के इर्द-गिर्द विशेष रूप से पार्क तैयार किया गया है।

खेल सुविधाएं: आईआईएमसी दिल्ली में टेबल टेनिस, बैडमिंटन और वॉलीबॉल आदि खेलने के लिए सुविधाएं उपलब्ध हैं। ढेंकनाल परिसर में बैडमिंटन और टेबल टेनिस की सुविधाएं उपलब्ध हैं। कोट्टयम परिसर में बैडमिंटन और शतरंज, कैरम आदि जैसे इनडोर गेम्स सहित जिमनेजियम की सुविधाएं उपलब्ध करायी गई हैं।

स्वास्थ्य केन्द्र और योग : आईआईएमसी दिल्ली में एक स्वास्थ्य केन्द्र की सेवाएं उपलब्ध हैं, जहां सामान्य चिकित्सक सोमवार से शनिवार तक आते हैं। छात्रों के लिए परामर्श नि:शुल्क है। सप्ताह में एक बार मनोविज्ञानी की सेवाएं भी उपलब्ध हैं। सामान्य स्वास्थ्य और सेहत को बढ़ावा देने के लिए संस्थान में योग पर प्रशिक्षण सत्रों का नियमित रूप से आयोजन किया जाता है।

बैंक और एटीएम : परिसर में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की एक शाखा है। भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, सिटी बैंक आदि के एटीएम एक किलोमीटर की परिधि में अवस्थित हैं।

छात्रावास सुविधाएं : आईआईएमसी दिल्ली में सीमित छात्रावास सुविधा (छात्रों और छात्राओं दोनों के लिए- छात्राओं के लिए - एक कमरे में एक छात्रा तथा छात्रों के लिए - साझेदारी के आधार पर) उपलब्ध है। छात्रावास के कमरे/बिस्तर के आवंटन में बाहरी छात्रों तथा आर्थिक/सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों से संबंधित विद्यार्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। हालांकि छात्रावास खोलने के बारे में अंतिम निर्णय केवल प्रथम सेमेस्टर के अंत में सामाजिक दूरी के नियमों को बरकरार रखने की जरूरत और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े अन्य सरोकारों पर गौर करने पर निर्भर करेगा।

ढेंकनाल परिसर में छात्रावास सुविधा छात्रों एवं छात्राओं दोनों के लिए उपलब्ध है। कोट्टयम परिसर में छात्रों एवं छात्राओं दोनों के लिए नई और सुसज्जित छात्रावास सुविधा उपलब्ध है। अमरावती और जम्मू में सीमित छात्रावास सुविधा उपलब्ध है। आईजोल में छात्रावास की सुविधा अनुरोध करने पर उपलब्ध कराई जा सकती है।

14. परिसर में जीवन

नई दिल्ली में आईआईएमसी का प्रमुख परिसर तथा ढेंकनाल और कोट्टयम में क्षेत्रीय परिसर प्रेरणादायक एक वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रदान करते है, जिसका लक्ष्य मास मीडिया और संचार के क्षेत्र में चुनौतीपूर्ण कार्य के लिए समग्र शिक्षा प्रदान करना और कौशल में निखार लाना है। अन्य क्षेत्रीय केन्द्रों के अपने स्थायी परिसरों में स्थानांतरित होते ही इसी तरह का माहौल तैयार किया जाएगा।वर्तमान में इन परिसरों का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

क्लासरूम में पाठों के अध्ययन के अलावा, पूरे शैक्षणिक वर्ष में छात्रों के लिए कई प्रकार के विशेष व्याख्यान, व्याख्यान-प्रदर्शन, व्यावहारिक प्रयोग, संस्थागत दौरे, राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियां, वीडियो लिंक संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

संगोष्ठियां और सम्मेलन : विभिन्न विषयों और सामयिक मीडिया संबंधी मुद्दों पर समय-समय पर संगोष्ठियां और सम्मेलन आयोजित किए जाते हैं। महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा और विचार-विमर्श के लिए अग्रणी मीडिया घरानों और प्रख्यात मीडिया हस्तियों को आमंत्रित किया जाता है। बीते वर्षों के दौरान, इससे शोधकर्ताओं और अध्येयताओं के लिए सही अवधारणाएं, संचार प्रक्रियाएं और संदर्भ सामग्रियां विकसित करने में सहूलियत के अलावा विचारों और मतों के आदान-प्रदान के लिए मंच के निर्माण में सहायता मिली है।

मीडिया महाकुम्भ : प्रत्येक वर्ष आईआईएमसी मीडिया महाकुंभ का आयोजन करता है, जो छात्र अभिमुखी जन संचार के विषय पर आधारित खेल, नाटक, संगीत, कला एवं संस्कृति महोत्सवों पर केन्द्रित होता है।

परिसर में समारोहों का आयोजन : गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस के अलावा आईआईएमसी राष्ट्रीय युवा दिवस (12 जनवरी), अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च), आईआईएमसी स्थापना दिवस (17 अगस्त), शिक्षक दिवस (5 सितंबर) और राष्ट्रीय प्रेस दिवस (16 नवम्बर) पर साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करता है।

15. क्षेत्रीय परिसर

आईआईएमसी ढेंकनाल: आईआईएमसी के पूर्वी भारतीय परिसर की स्थापना 1993 में मध्य ओडिशा जिले ढेंकनाल में की गई थी। देश के पूर्वी हिस्से में पत्रकारिता और जन संचार में शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नई दिल्ली के बाहर स्थापित होने वाला यह पहला केंद्र था। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर से लगभग 80 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित ढेंकनाल राज्य के ग्रामीण और जनजातीय परिक्षेत्र में बसा है, जो रेल और सड़क (एन एच 55) दोनों से जुड़ा है।

आईआईएमसी, ढेंकनाल जिसनेकिराए की जगह पर अपना परिचालन शुरू किया था,वह मई 2000 में शहर की भीड़भाड़ सेदूर पनियोहाला (जिसका ओडिया में अर्थ 'हैंगिंग वॉटर' है) पहाड़ियों की गोद में स्थित अपने परिसर में स्थानांतरित हो गया। 7.5 एकड़ क्षेत्रमें फैला यह नया परिसर भव्य दृश्य प्रस्तुत करता है, जो घनेजंगल से घिरा है, जहां विभिन्न प्रकार के पौधों, जीवों और कीटों का बसेरा है।
प्रारंभ में यहां 40 सीटों के साथ पत्रकारिता (अंग्रेजी) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरु किया गया था। बाद में यहां सीटों की संख्या बढ़ाकर 68 कर दी गई। शैक्षणिक वर्ष 2001-2002 में, 15 सीटों के साथ उड़िया पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू किया गया। यह पहला अवसर था जब आईआईएमसी द्वारा हिंदी के अलावा कोई भाषायी पत्रकारिता पाठ्यक्रम शुरू किया गया। वर्तमान में, उड़िया पत्रकारिता पाठ्यक्रम में 25 सीटें हैं।
1993 से, ढेंकनाल परिसर ने 1600 से अधिक मीडिया पेशेवर तैयार किए हैं। उनमें से अधिकांश प्रमुख राष्ट्रीयऔर अंतर्राष्ट्रीय मीडिया संगठनों के साथ-साथ सरकारी प्रतिष्ठानों और गैर सरकारी संगठनों में काम कर रहे हैं। उनमें से अनेक जनसम्पर्क और विज्ञापन क्षेत्र में भीकार्यरत हैं। उनमें से कुछ ने स्वयं की मीडिया इकाइयों शुरू की है; कुछ शैक्षणिक क्षेत्र से जुड़ चुके हैं।
आईआईएमसी कोट्टयम: दक्षिण भारत में भारतीय जन संचार संस्थान के क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना साक्षरता (लेटर्स),लेटेक्स और झीलों की भूमि-कोट्टयम में 1995 में की गई थी। इसकी स्थापना कामकाजी पत्रकारों, जनसम्पर्क व्यवसायियों और राज्य सूचना अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए की गई थी।

2012 में आईआईएमसी कोट्टयम ने पहली बार अंग्रेजी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर कार्यक्रम की शुरुआत के साथ स्नातक विद्यार्थियों के लिए अपने द्वार खोले। तब से, आईआईएमसी कोट्टयम प्रतिबद्धता, गुणवत्ता और उद्योग के लिए आवश्यक कौशलों के साथ निरंतर पत्रकारिता जगत की प्रतिभाओं को बढ़ावा दे रहा है। क्षेत्रीय परिवेश में पत्रकारिता प्रशिक्षण में नए गुणवत्ता मानकों को स्थापित करने के उद्देश्य से वर्ष 2017 में इस क्षेत्रीय परिसर में मलयालम पत्रकारिता में स्नातकोत्तर कार्यक्रम आरंभ किया गया।

आईआईएमसी का नया और स्थायी दक्षिणी क्षेत्रीय परिसर कोट्टयम से लगभग 12 किलोमीटर दूर पम्पीडी में 10-एकड़ क्षेत्र में फैले हरे-भरे, सुंदर रमणीक स्थान में 2019 में शुरु किया गया। यह अकादमिक सह प्रशासनिक ब्लॉक, छात्रावास, अतिथि गृह, स्टाफ क्वार्टर्स और अन्य सुविधाओं से युक्त एक आवासीय परिसर है।

आईआईएमसी कोट्टयम इस नए परिसर के साथ सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संचार व्यवसायियों के लिए नए अल्पकालिक पाठ्यक्रमों की शुरुआत के साथ अपनी महत्ता बढ़ाने की परिकल्पना करता है। आने वाले वर्षों में, आईआईएमसी कोट्टयम दक्षिण भारत में, जनसंचार और मीडिया प्रशिक्षण का मुख्य केंद्र बनने की आकांक्षा रखता है।

आईआईएमसी अमरावती: किंवदंतियों की भूमि, सतपुड़ा रेंज के जंगलों से घिरे अमरावती में 2011 में आईआईएमसी के पश्चिमी क्षेत्रीय परिसर की स्थापना की गई थी और इसने अंग्रेजी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर कार्यक्रम की शुरुआत के साथ स्नातक विद्यार्थियों के लिए अपने द्वार खोल दिए । इस केंद्र के छात्रों ने उत्कृष्ट रिकॉर्ड के साथ अत्यंत उच्च शैक्षणिक प्रमाण अर्जित किए हैं। तब से, प्रमुख मीडिया संगठनों में करियर बनाने वाले अपने छात्रों के साथ इस पाठ्यक्रम ने देश में अच्छी प्रतिष्ठा अर्जित की है।

भाषायी मीडिया में गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण को राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने पर विशिष्ट बल देते हुए वर्ष 2017 में मराठी पत्रकारिता कार्यक्रम शुरू किया गया था।

आईआईएमसी आइजोल : आईआईएमसी के आइजोल परिसर का उद्घाटन 8 अगस्त, 2011 में हुआ था। देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में समाचार पत्रों और टेलीविजन चैनलों के प्रसार के बावजूद इस क्षेत्र में मीडिया प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करने के लिए शायद ही कोई केंद्र था। आईआईएमसी के आइज़ॉल परिसर का लक्ष्य मीडिया व्यवसायियों को प्रशिक्षित करके इस कमी को दूर करना है जो निरंतर विकसित होते इस क्षेत्र में अपना योगदान दे सकते हैं।

वर्तमान में, संस्थान आइजोल विश्वविद्यालय द्वाराप्रदान किए गए अस्थायी परिसर में स्थित है और अंग्रेजी पत्रकारिता में स्नातकोत्तरडिप्लोमा पाठ्यक्रम का संचालन कर रहा है। हालांकि, 8 एकड़ हरे भरे क्षेत्र में आईआईएमसी के स्थायी आवासीय परिसर का निर्माण कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है।

आईआईएमसी जम्मू :आईआईएमसी ने अखिल भारतीय स्तर पर अपनी कवरेज का विस्तार करते हुए 2012-13 के दौरान जम्मू में भी अपना क्षेत्रीय परिसर स्थापित किया। जम्मू-कश्मीर सरकार ने शैक्षणिक सुविधाओं, साथ ही साथ छात्रावास और अतिथि संकाय हेतु अतिथि गृह के लिए आईआईएमसी को किराया-मुक्त स्थान उपलब्ध कराया है।

स्थायी परिसर का निर्माण कार्य उसके लिए निर्धारित 15 एकड़ भूमि में तेजी से पूरा किया जा रहा है। वर्तमान में, परिसर केवल अंग्रेजी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम का संचालन करता है।

16. आईआईएमसी प्रबंधन एवं संकाय

प्रोफेसर संजय द्विवेदी	**महानिदेशक**
श्री के .सतीश नम्बूदिरीपाड़ आईआईएस	**अपर महानिदेशक** प्रशासन प्रमुख **भारतीय सूचना सेवा**- 1991 बैच के वरिष्ठ अधिकारी।
श्रीमती ममता वर्मा आईआईएस	**अपर महानिदेशक (प्रशिक्षण) एवं पाठ्यक्रम निदेशक,** आईआईएस विभाग एवं अल्पकालीन पाठ्यक्रमों की प्रमुख **भारतीय सूचना सेवा** -1995 बैच की वरिष्ठ अधिकारी।

डॉ. आनंद प्रधान	**प्रोफेसर एवं पाठ्यक्रम निदेशक**, भारतीय भाषायी पत्रकारिता, विकास पत्रकारिता विभाग एवं **सम्पादक –** *संचार माध्यम*
डॉ.सुनेत्रा नारायण	**प्रोफेसर एवं पाठ्यक्रम निदेशक -**रेडियो एवं टीवी पत्रकारिता, **प्रमुख** प्रकाशन विभाग एवं – **सम्पादक –**आईआईएमसी जर्नल - *कम्युनिकेटर*
प्रो. शाश्वती गोस्वामी	**प्रोफेसर एवं प्रमुख**– संचार अनुसंधान एवं आउटरीच एक्टीविटीज विभाग, सामुदायिक रेडियो केंद्र, **डीन –** छात्र कल्याण
डॉ.अनुभूति यादव,	**प्रोफेसर एवं पाठ्यक्रम निदेशक-** विज्ञापन एवं जन सम्पर्क, **प्रमुख** -न्यू मीडिया विभाग
डॉ.सुरभि दहिया	**प्रोफेसर एवं पाठ्यक्रम निदेशक -**अंग्रेजी पत्रकारिता
डॉ. रिंकु पेगु	**एसोसिएट प्रोफेसर** प्रशिक्षण विभाग, भारतीय सूचना सेवा
श्रीमती नवनीत कौर, आईआईएस	**संयुक्त निदेशक,** भारतीय सूचना सेवा एवं अल्पकालीन पाठ्यक्रम **भारतीय सूचना सेवा**- 2008 बैच की अधिकारी।

डॉ.मृणाल चटर्जी	**प्रोफेसर, डीन (शैक्षणिक), आईआईएमसी एवं क्षेत्रीय निदेशक ,** आईआईएमसी ढेंकनाल परिसर
डॉ.ज्योति प्रकाश महापात्र	**सहायक प्रोफेसर,** आईआईएमसी ढेंकनाल
श्री सम्बित पाल	**सहायक प्रोफेसर,** आईआईएमसी ढेंकनाल

डॉ. एस अनिल कुमार	**क्षेत्रीय निदेशक एवं शैक्षणिक प्रमुख** आईआईएमसी कोट्टयम
श्री रजित चन्द्रन, आईआईएस	**उप निदेशक,** आईआईएमसी कोट्टयम **भारतीय सूचना सेवा** -2011 बैच के अधिकारी।
श्री दीपू जॉय	**सहायक प्रोफेसर,** आईआईएमसी कोट्टयम
श्री ए. चंद्रेशखर	**सहायक प्रोफेसर,** आईआईएमसी कोट्टयम

श्री एल आर सैलो	**क्षेत्रीय निदेशक एवं शैक्षणिक प्रमुख** आईआईएमसी आईजोल

डॉ. सी. ललमुआनसंगकिमी	**सहायक प्रोफेसर,** आईआईएमसी आईजोल

श्री विजय सतोकर	**क्षेत्रीय निदेशक,** आईआईएमसी अमरावती
श्री विनय सोनुले	**सहायक प्रोफेसर,** आईआईएमसी अमरावती

श्री मनोहर खजूरिया	**क्षेत्रीय निदेशक एवं शैक्षणिक प्रमुख** आईआईएमसी, जम्मू
श्री संजीत खजूरिया	**सहायक प्रोफेसर,** आईआईएमसी, जम्मू
डॉ अनुभव माथुर .	**सहायक प्रोफेसर,** आईआईएमसी , जम्मू

17. प्लेसमेंट/इंटर्नशिप

आईआईएमसी का निरंतर रूप से अद्यतन किया जाने वाला और उद्योग जगत से जुड़ा पाठ्यक्रम इसके स्नातकोत्तर डिप्लोमा के छात्रों को पत्रकारिता, विज्ञापन, जन सम्पर्क और रचनात्मक लेखन आदि के क्षेत्रों में चुनौतीपूर्ण कार्यों को करने के लिए तैयार करता है।

शैक्षणिक सत्र के अंत में आईआईएमसी प्लेसमेंट/इंटर्नशिप पखवाड़ा आयोजित करता है और इससे उद्योग जगत और छात्रों के बीच संवाद सुलभ होता है। **तथापि, संस्थान अपने छात्रों को किसी भी प्लेसमेंट की गारंटी नहीं देता।**

पारंपरिक रूप से, आईआईएमसी की प्लेसमेंट का रिकॉर्ड अच्छा रहा है, अनेक नामी कंपनियों ने आकर्षक वेतन पैकेज के साथ हमारे छात्रों को नौकरी प्रदान की है। नीचे उन प्रख्यात कंपनियों की एक सांकेतिक सूची है जिन्होंने हाल के वर्षों में आईआईएमसी प्लेसमेंट कार्यक्रमों में भाग लिया है।

एबीपी न्यूज	एनडीटीवी	डिस्कवरी
नेटवर्क 18	जी मीडिया	सोनी
रेड एफएम	रेडियो मिर्ची	आकाशवाणी समाचार
पीटीआई	आईएएनएस	क्रिट
टीसीएस	एशेंचर	एचसीएल
टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप	एचटी/हिन्दुस्तान	बिजनेस स्टैंडर्ड
आउटलुक मनी	एक्सचेंज4 मीडिया	कोजेनिक्स न्यूज

टाटा स्टील	एनटीपीसी	इफ्को
जिंदल स्टील	मेडिसन एडवर्टीजिंग	कांट्रेक्ट एडवर्टीजिंग
एडफैक्टर्स	दिल्ली प्रेस	प्रकाशन विभाग

18. अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां :आचरण नियम एवं दिशा-निर्देश

उपस्थिति: प्रत्येक सेमेस्टर में परीक्षा में बैठने के लिए किसी छात्र के लिए न्यूनतम 75 प्रतिशत उपस्थिति आवश्यक है। अपेक्षित उपस्थिति से वंचित रहने वाले छात्रों को सेमेस्टर परीक्षाओं में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। महानिदेशक, आईआईएमसी यदि इस बात से संतुष्ट हैं कि उपस्थित न रहने का कारण छात्र के नियंत्रण में नहीं था, तो वह उपस्थिति में कमी को 5 प्रतिशत की सीमा तक माफ कर सकते हैं।

अर्हक अंक : डिप्लोमा प्रमाण पत्र के पात्र होने के लिए प्रत्येक छात्र को पहले और दूसरे सेमेस्टर की परीक्षाओं में उपस्थित होना होगा, मूल्यांकन के लिए अपने असाइन्मेंट्स जमा कराने होंगे, संगोष्ठियों/ प्रस्तुतियों में भाग लेना होगा और प्रत्येक विषय में न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक (सिद्धांत एवं व्यवहारिक दोनों में) प्राप्त करने होंगे।

परीक्षा पत्रों की दोबारा जांच: किसी भी उत्तर पुस्तिका का पुनर्मूल्यांकन नहीं किया जाएगा। तथापि पूर्णांक की दोबारा जांच और/या इस बात की जांच कि क्या कोई उत्तर मूल्यांकन करने से छूट गया है तो इस आशय के लिखित अनुरोध पर प्रति पेपर 100 रुपए के शुल्क के भुगतान पर किया जाएगा।

आईडी कार्ड: नामांकन के तुरन्त बाद छात्रों को पहचान पत्र जारी किए जाते हैं। पहचान पत्र के गुम अथवा क्षतिग्रस्त होने पर 100 रुपए के भुगतान पर डुप्लीकेट पहचान पत्र जारी किया जाता है।

आचार संहिता: आईआईएमसी में 'आईआईएमसी के छात्रों के लिए आचार संहिता' लागू है, जिसे आईआईएमसी की वेबसाइट पर प्रदर्शित किया गया है। आवेदक को सलाह दी जाती है कि वे आचार संहिता को ध्यानपूर्वक पढ़ें जिसमें सोशल मीडिया के उपयोग पर नीति, संस्थान की छात्रों से अपेक्षाएं, अनुशासनात्मक कार्यवाही और अनुशासनात्मक प्रक्रिया संबंधी आधार शामिल है। प्रत्येक छात्र को प्रवेश के समय आचार संहिता का अनुपालन करने हेतु हस्ताक्षरित वचनबद्धता प्रस्तुत करनी होगी। संस्थान के पास पाठ्यक्रम के दौरान किसी छात्र/छात्रा का आचरण असंतोषजनक पाए जाने पर उसे निकालने का अधिकार भी है।

शिकायत : यौन उत्पीड़न के मामलों और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के विरुद्ध अत्याचार के संबंध में आईआईएमसी की सख्त नीति है। किसी भी उल्लंघन के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के लिए एक आंतरिक शिकायत समिति और एक अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ मौजूद है।

अनुशासन : छात्रों से अपेक्षा की जाती है कि वे अध्ययन कार्यक्रम को संतोषजनक रूप से पूरा करने के लिए जरूरी मूल्यांकन प्रणाली, शैक्षिक दक्षता के न्यूनतम मानकों, अनुशासन, उपस्थिति आदि के संबंध में संस्थान द्वारा समय-समय पर बनाए गए नियमों और विनियमों का कड़ाई से पालन करें।

अन्य पाठ्यक्रमों में अध्ययन: आईआईएमसी के स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम पूर्णकालिक पाठ्यक्रम हैं और छात्रों को कोई भी पूर्णकालिक अथवा अंशकालिक नौकरी या अध्ययन करने की अनुमति नहीं है। इसके अलावा उन्हें इस अवधि के दौरान उन्हें किसी भी पूर्णकालिक अथवा अंशकालिक रोजगार करने की अनुमति

नहीं है। यदि ऐसे किसी उल्लंघन की जानकारी मिलती है तो संस्थान के पास पाठ्यक्रम से निष्कासन सहित उपयुक्त अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का अधिकार सुरक्षित है।

19. संपर्क सूचना

- संपर्क सूचना किसी भी तरह के संदेह/स्पष्टीकरण के लिए विद्यार्थी कार्यदिवसों पर सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक निम्नलिखित अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं:
- सुश्री विष्णुप्रिया पांडे, छात्र संपर्क अधिकारी (9871182276)
- श्री रघुविन्दर कुमार चावला, शैक्षिक समन्वयक (9818005590)

आईआईएमसी नई दिल्ली	भारतीय जन संचार संस्थान अरुणा आसफ अली रोड, नई दिल्ली - 110067 दूरभाष : +91-11-26741352 फैक्स : +91-11-26742462 **ईमेल : academiciimc1965@gmail.com**
आईआईएमसी ढेंकनाल	भारतीय जन संचार संस्थान पी बी सं .21, संचार मार्ग, ढेंकनाल, ओडिशा 759001 दूरभाष : +91-6762-226194, 226196 फैक्स : +91-6762-226195 मोबाइल : 9337709000 **ईमेल : iimcdkl@yahoo.co.in**
आईआईएमसी कोट्टयम	भारतीय जन संचार संस्थान दक्षिणी क्षेत्रीय परिसर 8वां माइल, वेल्लूर, के के रोड, पैम्पेडी कोट्टयम, केरल 686501 +91-481-2502520 मोबाइल : +91 9496989923, +91 8547482443 **ईमेल : iimckottayam2012@gmail.com**
आईआईएमसी आईजोल	भारतीय जन संचार संस्थान मिजोरम विश्वविद्यालय परिसर, तनहरिल, आइजोल, मिजोरम 796004 दूरभाष : +91-389-2300871, 2322813 **ईमेल : iimcnercampus@gmail.com**
आईआईएमसी अमरावती	भारतीय जन संचार संस्थान डॉ. श्रीकान्त जिचकर मेमोरियल सेंटर संत गडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती, महाराष्ट्र 444602 दूरभाष : 0721-2668180, 9422118895, 8999592963 **ईमेल : iimcamt.entrance@gmail.com**

आईआईएमसी जम्मू

भारतीय जन संचार संस्थान
विकास भवन, तृतीय तल,
रेल हेड कॉम्प्लेक्स, जम्मू तवी, जम्मू - 180012
दूरभाष :+91-191-2479523
ईमेल : jammuiimc@gmail.com

***